पेराई में देरी से घटेगा उत्पादन

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 27 अक्टूबर

- इस साल 15 फीसदी कम हो सकता है चीनी का उत्पादन
- दिसंबर के मध्य से पहले मिलों में पेराई शुरू होने की उम्मीद नहीं
- मजबूरी में किसान कोल्हू और खांडसारी उत्पादकों के पास बेच रहे गन्ना

उत्तर प्रदेश में गन्ना पेराई में देरी होने से चीनी उत्पादन में करीब 15 फीसदी की कमी आ सकती है। दरअसल देरी से गन्ने की पेराई होने से चीनी की रिकवरी और घट सकती है। 2013-14 पेराई सत्र में उत्तर प्रदेश में 65 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। लेकिन लागत से कम दाम होने के कारण मिलों की आर्थिक सेहत पर खासा असर पड़ा है। यही वजह है कि राज्य की चीनी मिलों ने 2014-15 पेराई सत्र में कारोबारी हितों की रक्षा किए बिना गन्ने की पेराई से इनकार किया था।

उत्तर प्रदेश शुगर मिल्स एसोसिएशन के सचिव दीपक गुप्तारा ने कहा, 'हालिया चक्रवात के कारण गन्ने की फसल को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका आकलन अभी किया जा रहा है लेकिन इतना तय है कि फसलों के नुकसान और पेराई में देरी से राज्य में चीनी के उत्पादन पर असर पड़ेगा।'

राज्य की एक बड़ी चीनी मिल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अनुमान लगाया है कि इस साल उत्पादन कम से कम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। इसका मतलब यह है कि इस साल भारत में चीनी का उत्पादन 2.35 करोड़ टन रह सकता है, जो देश की कुल खपत का लगभग बराबर है। हालांकि चीनी का उत्पादन पिछले साल की तुलना में करीब 10 लाख टन कम रह सकता है।

राज्य सरकार ने प्रति किलो 6 रुपये के अनुदान की मंजूरी दी है जबकि मिलें प्रति किलो 9 रुपये का अनुदान मांग रही हैं, साथ ही बैंकों से कार्यशील पूंजी दिलाने में भी मदद मांग रही हैं। इस बीच, मिलों ने अपने संयंत्रों में रखरखाव का काम शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि अगले 4 से 6 हफ्तों में यह काम पूरा हो जाएगा और फिर कार्यशील पूंजी आदि में दो हफ्तों का वक्त लग सकता है। ऐसे में पेराई दिसंबर के मध्य के बाद से ही शुरू होने की उम्मीद है। सिंभावली शुगर मिल्स के मुख्य वित्त अधिकारी संजय तापड़िया ने कहा, 'पेराई दिसंबर के मध्य तक शुरू हो सकती है। हालांकि यह मिलों के मरम्मत काम के आधार पर तय होगा।' इसका मतलब है कि इस बार पेराई में सामान्य अवधि से करीब 10 हफ्ते की देरी होगी।

बिजनेस स्टैंडर्ड
28/10/14